राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)

जिला - रायगढ़

बोली - कुड़ख

बड़ी पुस्तक

नाव चला

थरे गुटे बेंगा, मुसा, चियां, चांटी
अउ खत कीरा बुली बाहारीले ।

चालत-चालत से माने बन तरा
के पुहुचिले पायन देखुन साएर
बेंगा कहेला चाल अ तंअरिया ।
एन्ना कही करीं बन के डेगी
नेला तंअरी -तंअरी खिजाई
लागला कि तये अंअरी ने
जानअ ।

सबु सांग मानकुं बहुत खराब
लागला से माने भी तंअरी बारे
उपाय सुचले मुसा कहेला
चालअ डंगा बनाया ।

सभे खुश हई गले अउ डंगा
बनाबार के जीनीस ठोल
करी बसले ।

चियां गुटे बड़ पतर आनला मूसा
गुटे माखन थिर खोल आनला
चांटी सुएल आनला खतकीरा
सुता आनला ।